



कुवैत ने मोदी को दिया सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' हमारे मैत्री बंधन और मजबूत होंगे : पीएम

अमीर शेख मेशाल अल-अहमद से कई मुद्दों पर चर्चा एजेंडी

कुवैत सिटी/नयी दिल्ली। पीएम मोदी और कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के बीच रविवार को दोनों देशों के हितों पर व्यापक चर्चा की। इनमें विशेष रूप से व्यापार, निवेश और उर्जा के क्षेत्रों में भारत-कुवैत संबंधों को नयी गति प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, लोगों, विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के साधनों, सहयोग के विस्तार, आम चिंता के प्रमुख मुद्दों तथा क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में नवीनतम



गरीबों की गरिमा और सम्मान सबसे अहम : मोदी

कुवैत में पीएम मोदी ने गल्फ स्पिक लेबर कैम्प का दौरा किया। उन्होंने भारतीय कामगारों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान कहा- गरीबों की गरिमा और सम्मान मेरे लिए सबसे अहम है। जब मैं साल 2047 के विकसित भारत की बात करता हूँ, तो मैं ये इसलिए करता हूँ क्योंकि मेरे भारतीय भाई, जो अपने घरों से दूर यहां काम कर रहे हैं, भी ये सपना देखते हैं कि उनके गांव में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बने। उनकी महत्वाकांक्षा ही भारत की ताकत है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी विदेशों में भारतीय कामगारों के कल्याण को बड़ा महत्व देते हैं।

कुवैत में पीएम मोदी ने गल्फ स्पिक लेबर कैम्प का दौरा किया। उन्होंने भारतीय कामगारों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान कहा- गरीबों की गरिमा और सम्मान मेरे लिए सबसे अहम है। जब मैं साल 2047 के विकसित भारत की बात करता हूँ, तो मैं ये इसलिए करता हूँ क्योंकि मेरे भारतीय भाई, जो अपने घरों से दूर यहां काम कर रहे हैं, भी ये सपना देखते हैं कि उनके गांव में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बने। उनकी महत्वाकांक्षा ही भारत की ताकत है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी विदेशों में भारतीय कामगारों के कल्याण को बड़ा महत्व देते हैं।

मोदी का यह 20वां अंतरराष्ट्रीय सर्वोच्च सम्मान

शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर वहां पहुंचे पीएम मोदी को रविवार को कुवैत ने अपने अपने सर्वोच्च सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया। पीएम मोदी को मिलने वाला यह 20वां अंतरराष्ट्रीय सर्वोच्च सम्मान है। मुबारक अल कबीर ऑर्डर कुवैत का एक विशेष नाइटहुड सम्मान है। इससे पहले यह सम्मान बिल विल्टन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे अंतरराष्ट्रीय नेताओं को दिया जा चुका है। मोदी ने कुवैत के युवराज (क्राउन प्रिंस) शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से भी मुलाकात की।

पीएम मोदी को सम्मानित किया। उनकी यात्रा भारत और कुवैत के बीच की गहरी मैत्री के बंधन और मजबूत होंगे।

क्रिसमस सेलिब्रेशन!

सीएम ने दी शुभकामनाएं



राजधानी रांची समेत पूरे प्रदेश में क्रिसमस त्योहार को लेकर उत्साह चरम पर है। हर जगह चर्च को सजाया जा रहा है। क्रिसमस के मौके पर पूरी रांची सजधज कर तैयार है। चारों तरफ रंगबिरंगी लाइटें दिख रही हैं। रविवार को सीएम हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ पुरुलिया रोड स्थित आर्चबिशप हाउस पहुंचे। श्री सोरेन ने आर्चबिशप विसेंट आइंड से मिलकर उन्हें और अन्य ईसाई धर्मगुरुओं को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। हेमंत सोरेन ने पत्नी संग केक भी काटा। 25 दिसंबर को ही प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ था। इस दिन ईसाई समाज के लोग एक दूसरे को केक और चॉकलेट भेंट कर शुभकामनाएं देते हैं।

खुशखबरी: मईयां सम्मान योजना

28 को महिलाओं के खाते में जायेगी 2500 की राशि

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड की महिलाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मईयां सम्मान योजना की दिसंबर राशि वितरण के लिए 28 को नामकुम के कुटियाती चौक स्थित आर्मी मैदान में एक भव्य समारोह का आयोजन प्रस्तावित है। उस दिन से सक्षम लाभुकों के खाते में 2500 रुपये की राशि मिलने की प्रक्रिया शुरू होने जायेगी। समारोह की तैयारी में विभाग जुट गया है। इस कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन राज्य की 55 लाख महिलाओं के खाते में 2500 रुपये मईयां सम्मान राशि की किस्त देंगे। कार्यक्रम में लगभग पांच लाख महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार संथाल परगना प्रमंडल के साहिबगंज, दुमका जैसे दूर-दराज के जिलों से



भी महिलाएं इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आएंगी। उनके ठहरने की भी उचित व्यवस्था की जा रही है। बताते चलें कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में मदद करती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार होगा। महिलाओं के हाथों में पैसा आने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

भारत की छोरियों ने सूद समेत बांग्लादेश से ले लिया बदला


नयी दिल्ली। भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने लड़कों को मिली फाइनल की हार का बदला सूद हमारी छोरियों ने चुकता कर लिया। बांग्लादेश के खिलाफ महिला अंडर 19 एशिया कप के खिताबी जंग में घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने शानदार जीत दर्ज कर ट्रांफी पर कब्जा जमाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने तुषा की फिफ्टी के दम पर 7 विकेट पर 117 रन बनाया। लक्ष्य छोटा था लेकिन कातिलाना गेंदबाजी के आगे बांग्लादेश की टीम महज 76 रन पर ही ढेर हो गयी। 18.3 ओवर में ही भारत ने 41 रन से मैच जीत ट्रांफी पर कब्जा जमाया।

अपराधियों ने तीन हाइवा किया आग के हवाले


रांची। नक्सली संगठन से अलग होकर स्पिल्टर ग्रुप के अपराधियों ने रंगदारी की मांग को ले कर खलारी में कोयला लंदे तीन हाइवा को आग के हवाले कर दिया। रविवार की सुबह लगभग 4:00 बजे अपराधियों ने खलारी के निर्मल महतो चौक के पास कोयला लंदे वाहनों को रोका और सभी में एक-एक कर के आग लगा दी। हथियारबंद अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग भी की। हाइवा के झड़कर और खलासी को सड़क पर उतारकर उनके साथ मारपीट की और उनके मोबाइल तक छीन लिये।

आज 71 हजार युवाओं को नियुक्तिपत्र देंगे मोदी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनि्युक्त भर्तियों के लिए 71 हजार से अधिक नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। इस अवसर वह देशभर में 45 स्थलों पर आयोजित रोजगार मेलों को वचुअली संबोधित भी करेंगे। पीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की पीएम की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म-सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए भर्तियां हो रही हैं। देशभर से चयनित नए कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग सहित विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में नियुक्त होंगे। इससे पहले 29 अक्टूबर को पीएम मोदी ने रोजगार मेले को संबोधित किया था और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी विभागों और संगठनों में नवनि्युक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये थे।



युवाओं को मिल रहे अवसर अपार विकसित भारत का सशक्त आधार



युवाओं को सरकारी नौकरी देने के लिए रोज़गार मेला

देश भर में 45 स्थानों पर सरकारी नौकरियों में चयनित
71 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा

23 दिसंबर, 2024 | प्रातः 10:30 बजे

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

भारत सरकार और सहयोगी राज्य सरकारों द्वारा मिलकर रोजगार के लाखों अवसरों का सृजन

महिलाओं, दिव्यांगजन और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को विशेष लाभ

पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून लाकर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ पर लगाया अंकुश

यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और आईबीपीएस जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों के माध्यम से नियुक्तियां

ऑनलाइन सिस्टम से खाली पदों और भर्ती प्रक्रिया की निरंतर निगरानी

चयनित अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के लिए आई-गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर 1500 से अधिक पाठ्यक्रम तथा "कर्मयोगी प्रारंभ" मांड्यूल उपलब्ध

DD NEWS डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें।
प्रशिक्षण संबंधी अधिक जानकारी के लिए कर्मयोगी वेबसाइट <https://gotkarmayogi.gov.in/> पर जाएं या QR Code को स्कैन करें!

ऐतिहासिक गांधी मैदान में गोड्डा प्रीमियर लीग मैच के ग्यारहवें सीजन का जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त, गोड्डा ने किया विधिवत शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज जिला क्रिकेट संघ, गोड्डा के तत्वाधान में आयोजित गोड्डा प्रीमियर लीग के ग्यारहवें सीजन का शुभारंभ जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिज्ञान कमर के द्वारा गुब्बारा उड़ाकर एवं बल्लेबाजी कर किया गया। इससे पूर्व उपायुक्त ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं जिला क्रिकेट संघ के सचिव श्री रंजन कुमार के द्वारा उपायुक्त को बुके देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री जिज्ञान कमर ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपनी सफलता के लिए संकल्प लेना होगा। वहीं अपना संकल्प पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, तभी आप सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने में संसाधन का अभाव मान्य नहीं रखता है। आप अपने लक्ष्य के लिए कितनी मेहनत करते हैं, वही मान्य रखता है। जिंदगी में आप अनुशासित रहते हैं, तो अवश्य सफल होंगे। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान



अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ

लूट की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, दो की तलाश जारी



खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के दुम गांव में बीते 18 दिसम्बर को एसबीआई के सीएसपी केंद्र में हुई करीब 75 हजार रुपए के लूट मामले में दुमका पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफल रही। पुलिस ने अपराधियों के पास से दो बाइक, तीन मोबाइल एवं अन्य सामान बरामद किया। गिरफ्तार अपराधियों का अपराधिक इतिहास भी रहा है और पूर्व में भी लूट की अन्य घटनाओं को अंजाम दें चुके हैं। इसकी जानकारी प्रेसवात कर एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने दी। उन्होंने बताया कि रविवार को तीनों

अपराधियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। लूट में शामिल अन्य दो अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने बताया कि बीते 14 अक्टूबर को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के घासीपुर स्थित सीएसपी केंद्र से करीब एक लाख रुपए, 4 दिसम्बर को मसलिया थाना क्षेत्र के महलुवना में 40 हजार रुपए, 13 नवंबर को रानेश्वर थाना के कदमा स्थित सीएसपी केंद्र में 50 हजार रुपए और 18 दिसम्बर को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के दुम गांव में स्थित सीएसपी केंद्र से करीब 75 हजार रुपए की हुई लूट की घटना में तीनों अपराधियों की संलिप्तता सामने आयी है।

संताल परगना स्थापना दिवस हूल के ऐतिहासिक स्थल संताल काटा पोखर में धूमधाम से मना

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। संताल हूल अखड़ा के तत्वाधान में रानेश्वर प्रखंड के दिवली गांव में स्थित संताल हूल के ऐतिहासिक शहीद स्थल संताल काटा पोखर में 169^{वें} संताल परगना स्थापना दिवस बहुत धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दिन की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता बहुत खास है। क्योंकि यह दिन भारतीय इतिहास के उस अध्याय से जुड़ा है। जब आदिवासी समुदाय ने अपने अस्तित्व, अधिकार और अस्मिता की रक्षा के लिए ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ एक अद्वितीय संघर्ष किया था। संताल हूल (1855) के विद्रोह के परिणामस्वरूप, ब्रिटिश सरकार को मजबूर होकर संताल परगना नामक एक अलग प्रशासनिक क्षेत्र का गठन करना पड़ा। इस क्षेत्र को विशेष रूप से संताल आदिवासियों के अधिकारों और उनके सांस्कृतिक, सामाजिक और भूमि संबंधी अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया था। संताल परगना की स्थापना का सीधा संबंध 1855 के संताल हूल (संताल विद्रोह) से है। यह विद्रोह ब्रिटिश हुकूमत के प्रति विशेष लगाव को देखते हुए, ब्रिटिश शासन ने एक नई रणनीति अपनाई। 22 दिसंबर 1855 को, ब्रिटिश सरकार ने संताल परगना क्षेत्र को एक स्वतंत्र प्रशासनिक इकाई के रूप में स्थापित किया। इस इकाई के भूमि और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए संताल परगना शासकरी अधिनियम बनाया गया। संताल परगना शासकरी अधिनियम सिर्फ



संताल परगना का गठन : संताल हूल के बाद, ब्रिटिश प्रशासन ने महसूस किया कि आदिवासी समुदाय को दबाने के लिए केवल सैन्य बल ही पर्याप्त नहीं है। आदिवासियों के भूमि, जंगल और सांस्कृतिक के प्रति विशेष लगाव को देखते हुए, ब्रिटिश शासन ने एक नई रणनीति अपनाई। 22 दिसंबर 1855 को, ब्रिटिश सरकार ने संताल परगना क्षेत्र को एक स्वतंत्र प्रशासनिक इकाई के रूप में स्थापित किया। इस इकाई के भूमि और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए संताल परगना शासकरी अधिनियम बनाया गया। संताल परगना शासकरी अधिनियम सिर्फ

आदिवासियों पर लागू नहीं होता है, बल्कि यह अधिनियम आदिवासी समुदाय के अलावे सभी समुदाय के शासकरी (किसानों) और भूमि धारकों पर भी लागू होता है जो संताल परगना क्षेत्र के भीतर भूमि का उपयोग करते हैं। इसका उद्देश्य भूमि पर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करना था, लेकिन इसके नियम और प्रावधान अन्य समुदाय के शासकरी पर भी लागू होते हैं।

संताल परगना के भौगोलिक और प्रशासनिक पहलू : संताल परगना क्षेत्र पहले एक ही जिला हुआ करता था जो अब झारखंड के छह जिलों में विभाजित है : दुमका (प्रमुख जिला और संताल



और संताल परगना टेनेंसी एक्ट अर्थात् जमीन बचाने का कानून पास हुआ। ठीक उसी प्रकार पूर्व सांसद सालखन मुर्मू के अथक प्रयास से 22 दिसंबर 2003 को एक बड़ी आदिवासी भाषा संताली को आठवौं अनुसूची में शामिल किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को याद करने के लिए हमने आदिवासी सेंटगल अभियान की ओर से भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और संतोष गंगवार मन्यवार राज्यपाल झारखंड को पत्र लिख कर मांग किया है कि 22 दिसंबर को मातृभूमि और मातृभाषा विजय दिवस के अवसर

पर राष्ट्रीय एवं राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त एक बड़ी आदिवासी भाषा को आदिवासी बहुल प्रदेश झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा दिया जाए, जिसको झारखंड सहित बिहार, बंगाल, असम, उड़ीसा और विदेशों नेपाल, भूटान, बंगलादेश आदि में भी बोला जाता है। मौके पर आदिवासी सेंटगल अभियान हजारीबाग जोनल अध्यक्ष विजय दुडू ने कहा कि आदिवासी गांव - समाज में अभी तक संविधान कानून और जनतंत्र लागू नहीं है, जिसके कारण आदिवासी गांव - समाज में वंशवादी स्वशासन

व्यवस्था चालू है, जो अधिकांश मांझी परगना के स्वशासन प्रमुख (मांझी बाबा) अनपढ़ पियकड़ एवं संविधान कानून को नहीं मानते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में व्याप्त अंध विश्वास और नशापान को भी दूर करना जरूरी है इसके लिए सरकार और प्रशासन का सकारात्मक सहयोग जरूरी है। कार्यक्रम को रामगढ़ जिला अध्यक्ष भुनेश्वर हेम्ब्रम, बोकारो जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष ललिता सोरेन युवा मोर्चा अध्यक्ष मनोज किस्कु, जरीडह प्रखंड अध्यक्ष संतोष मुर्मू, कसमार प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर मुर्मू, पेटरवार प्रखंड संयोजक हरिधर मुर्मू युवा संयोजक संजय दुडू मुन्शी दुडू आदि ने भी संबोधित किया। इसके बाद पेटरवार तैनुचौक से न्यू बस स्टैंड पेटरवार तक जुलूस भी निकाला जिसमें संताली भाषा को झारखंड में प्रथम राजभाषा बनाया होगा 22 दिसंबर को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना होगा आदि नरा लगा रहे थे। कार्यक्रम में सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।



